बाघ, बाघ, तुम कहाँ हो? 1

बाघ, बाघ... 2
तुम कहाँ हो?

मैं तो यहीं था। क्या तुमको चट्टान पर मेरी गंध 3
नहीं आई? ये गंध बाघिन को मुझ तक पहुँचाने में
सहायता करती है।

बाघ, बाघ... 4
तुम कहाँ हो?

मैं तो यहीं था। क्या तुमने नहीं
देखा जो मैंने कल खाया था?
मेरी लीद में मिलने वाले नाखून
और बाल तुम्हें
इसका पता ज़रूर देंगे।

बाघ, बाघ... 5
तुम कहाँ हो?

मैं तो यहीं था। क्या तुमने ज़ोर से चिल्लाते
हुए लंगूर की चेतावनी नहीं सुनी? उसने पूरे
जंगल को मेरे आने की खबर दी थी।

बाघ, बाघ... 6
तुम कहाँ हो?

मैं तो यहीं था। क्या तुमने मेरी दहाड़
नहीं सुनी? मैं दूसरे बाघों को यह बता
देना चाहता था कि जंगल का यह
हिस्सा मेरा है।

बाघ, बाघ... 7
तुम कहाँ हो?

मैं तो यहीं था। क्या तुमने मेरी कपटी
आँखें नहीं देखीं? देखा, मैंने तुम्हें
चकमा दे दिया।

बाघ, बाघ... 8
तुम कहाँ हो?

मैं यहाँ हूँ।
आखिर तुमने मुझे खोज लिया।

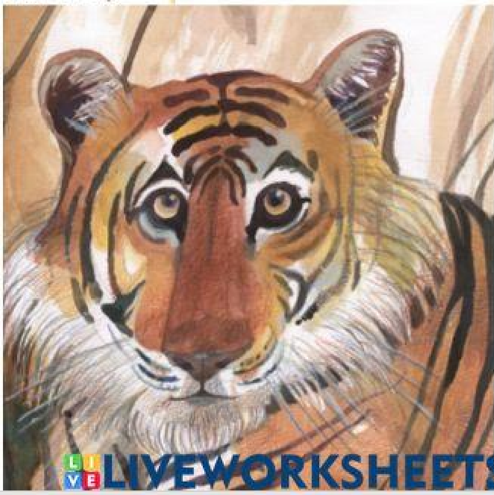

यह आपके पढ़ने का स्पीड टेस्ट है – तो बिना रुके, एक ही बार में पूरी कहानी जल्दी जल्दी पढ़ कर सुनाएं। ध्यान रहें ब्लू बॉक्स को टिक करना है अपनी आवाज में रिकार्ड कर साझा करने के लिए।

LIVEWORKSHEETS